दर्ज पेश हैं। [signature]

9/4/26 पत्रा० पेश हुई। प्रार्थी वकील उप०।
मूल वाद में P.D जारी करने बावत सहमति प्रदान की
वादी अधिवक्ता की बहस सुनी गई। वादी वकील
ने उपपक्षकारान को मूल वाद के अंतिम निस्तारण
तक पाबंद करने बावत निवेदन किया गया।
बहस पर मनन एवं पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट
है कि दावा S3 का है। एवं एकपक्षीय कार्यवाही की
जा चुकी है। वादी वकील ने P.D. जारी करने बावत
सहमति भी प्रदान की जा चुकी है। ऐसे में मूल वाद के
अंतिम निस्तारण तक उपपक्षकारान को मौका व राजस्व
रिकार्ड की स्थिति यथावत रखने बावत पाबंद किया जाना
उचित प्रतीत होता है। अतः पाबंद किया जाता है। एवं
पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो। एवं
मूल वाद के साथ संलग्न की जावे। [signature]